(173)

# B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2007/11

## Ayurved Ka Itihas

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

*Note : Attempt All questions.*

1. सुश्रुतसंहिता के वैशिष्ट्य का प्रतिपादन कर डल्हण आचार्य का परिचय एंव योगदान लिखें। 15

2. उपनिषद एवं पुराणकालीन आयुर्वेद लिखकर वसवराज का परिचय लिखें। 15

3. संहिताकाल का निर्धारण कर संग्रहकालीन आचार्यों का संक्षिप्त वर्णन करें। 15

4. रसशास्त्र विकासक्रम, महत्व व वैशिष्ट्य विस्तार पूर्वक स्पष्ट करें। 15

5. अर्वाचीनकालीन ग्रन्थ प्रणेताओं का नामोल्लेख करते हुए किन्हीं तीन प्रणेताओं का परिचय लिखें। 15

6. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 5X3=15
   क) विश्व स्वास्थ्य संगठन
   ख) रणजीत राय देसाई
   ग) नार्गाजुन

---

(174)

# B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2007/11

## Padarth Vigyan-A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. पंचमहाभूतों की उत्पत्ति तथा उनके गुणों का वर्णन करें। 15

2. आत्मा का लक्षण लिखते हुए चिकित्स्य पुरूष का वर्णन करें। 15

3. मन का निरूपण करते हुए मन के गुणों का वर्णन करें। 15

4. कर्म के लक्षण एवं भेदों का उल्लेख करें। 15

5. आयुर्वेदीय दृष्टि से समवाय का विवेचन करें। 15

6. गुणों की प्रधानता का निरूपण करते हुए गुणों का वर्गीकरण स्पष्ट करें। 15

---

(175)

# B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2007/11

## Padarth Vigyan - B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

***Note : Attempt All questions.***

1. उपमान प्रमाण निरूपण, परिभाषा और लक्षणादि बतातें हुए आयुर्वेदीय उपयोगिता बतांए। 15

2. सन्निकर्ष परिभाषा, लक्षण बताते हुए इनके भेदों का वर्णन करें। 15

3. चरकोक्त अनुमान के लक्षण एवं भेद बताते हुए इसकी उपयोगिता को सिद्ध करें। 15

4. तन्त्र दोष क्या है। इसके कितने प्रकार हैं उनका विस्तार पूर्वक वर्णन करें। 15

5. त्रिगुण निरूपण करते हुए इसके लक्षण बताएं। 15

6. टिप्पणी करें: - 5X3=15
   क) विवर्तवाद
   ख) अहंकारोत्पत्ति
   ग) असत्कार्यवाद
   घ) प्रकृति और पुरूष साधर्म्य-वैधर्म्य
   ड.) सर्ग

---

(176)

# B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2007/11

## Sanskrit - A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

***Note : Attempt All questions.***

1. प्रसंग सहित व्याख्या करें। 4X5=20

   क) आत्मानमेव मन्येत् कर्तारं सुखदुःखयोः ।
   तस्माच्छ्रेयस्करं मार्गं प्रतिपद्येत् न त्रसेत् ।।

   ख) अनात्मवन्तः पशुवद्भुञ्जते येऽ प्रमाणतः ।
   रोगानिकस्य ते मूलमजीर्णं प्राप्नुवन्ति हि ।।

   ग) निवृत्तो यस्तु मद्येभ्यो जितात्मा बुद्धिपूर्वकृत् ।
   विकारैः स्पृश्यते जातु न स शारीरमानसैः ।।

   घ) तृप्त्यर्थं भोजनं येषां सन्तानार्थं च मैथुनम् ।
   वाक्सत्यवचनार्थाय दुर्गाण्यतितरन्ति ते ।।

2. क) "वैवाहिक ब्रह्मचर्यविज्ञानीय" अध्याय का सार लिखें। 10

   ख) हिन्दी में अर्थ लिखें :- 5
   जातु, पिपासितस्येव, अभ्यवहृतम्, कीर्तिताः विचक्षणैः।

3. सप्रसंग व्याख्या लिखें । 3X4=12

   क) स्वल्पमात्रोपयोगित्वादरूचेरप्रसंगतः ।
   क्षिप्रमारोग्यदयित्वाद् भेषजेभ्योऽधिको रसः ।।

   ख) धर्मार्थकाम मोक्षाणामारोग्यं मूलमुत्तमम् ।
   रोगास्तस्यापहर्तारः श्रेयसो जीवितस्य च ।।

   ग) हिताशी स्यान्मिताशी स्यात्काल भोजी जितेन्द्रियः ।
   पश्यन्रोगान् बहून् कष्टान् बुद्धिमान् विषमाशनात् ।।

4. "संभाषा-विधि" प्रकरण का सार लिखें। 8

5. सप्रसंग व्याख्या करें:- 4X5=20

   क) एकाकी गृहसन्त्यक्तः पाणिपात्रो दिगम्बरः ।
   सोऽपि संवाह्यते लोके तृष्णया पश्य कौतुकम् ।।

   ख) उत्सवे व्यसने प्राप्ते दुर्भिक्षे शत्रुशङ्कटे ।
   राजद्वारे श्मशाने च यस्तिष्ठति स बान्धवः ।।

   ग) कासयुक्तस्त्यजेच्चौर्यं निद्रालुश्चेत्स पुंश्चलीम् ।
   जिह्वालौल्यं रूजाक्रान्तौ जिवितुं योऽत्र वाञ्छति ।।

   घ) कृते प्रतिकृतं कुर्याद्धिंसिते प्रतिहिंसितम् ।
   न तत्र दोषं पश्यामि यो दुष्टे दुष्टमाचरेत् ।।

6. मुख्य-मुख्य कुछ संस्कृत श्लोक को उद्धृत करते हुए शिक्षा सहित "चन्द्रभूपति" कथा को हिन्दी में लिखें। 15

.....

(177)

# B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2007/11

## Sanskrit - B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

*Note : Attempt All questions.*

1. ह्रस्व दीर्घ प्लुत संज्ञक सूत्र सोदाहरण स्पष्ट करें। 06

2. क) सन्धि करें। 05
चे + अनम्, गङ्गा + ओघः, ऋण + ऋणम्
जगत् + शान्ति, मधुलिट् + गुञ्जति।
ख) सन्धिविच्छेद करें। 05
अञ्चितः, हलीषा, पतञ्जलि, सगच्छति,
आम्रञ्चूषति।

3. समस्त पदों का विग्रह करते हुये समास का नाम लिखें। 06
काकोलूकम्, महापुरूषः, अनुगुणम्, विष्णुदत्तः,
अपुत्रः, अनश्वः।

4. क) निम्नलिखित उपपदों को उचित विभक्ति लगाते हुए वाक्यों में प्रयोग करें। 08
धिक्, प्रति, असाधु, रूच्, ईष्य, वषट्, अभिक्रुध, ऋते।
ख) स्त्रीप्रत्ययान्त रूप लिखें। 05
हिम, अज, साधु, अश्व, मयूर।

5. क) निम्नलिखित धातुओं से निर्दिष्ट प्रत्यय प्रयुक्त करें। 05
क्री + क्तः, विद् + क्त्वा, ज्ञा + तुमुन्, नम् + शतृ
भुज् + शानच्
ख) निम्न लिखित में प्रकृति प्रत्यय निर्दिष्ट करें। 05
दग्धव्य, पानीय, दत्तवान, जग्ध्वा, वोढव्य।

6 क) निम्नलिखित शब्दों के सभी विभक्ति एवं वचनों में शब्द रूप लिखें। 10
सर्व (नपुः) पिता, स्त्री, युष्मद्।
ख) निम्न संख्यावाची शब्दों को संस्कृत में लिखें। 02
तीन, सात, छहः, आठ

7. निम्नलिखित धातुओं के निर्दिष्ट धातुरूप लिखें। 10
चुर् (विधिलिङ्.) अद् (लट् लकार)
छिद् (लङ् लकार) हन् (लृट लकार)

P.T.O.

8. संस्कृत में अनुवाद करें। 15

i) राजा चोर को सौ रूपये दण्ड देता है।
ii) उसने सौ रूपये में गाय खरीदी।
iii) वह पुस्तकों से छात्र प्रतीत होता है।
iv) सज्जन मीठी वाणी बोलते हैं।
v) जो मनुष्य ईश्वर स्मरण नहीं करता उसका जीवन व्यर्थ है।
vi) सुशील पुत्र सदा प्रीतिपात्र होता है।
vii) वे चण्डीगढ़ कब जाएंगे।
viii) कल होली का त्योहार होगा।
ix) क्रूर और न्यायहीन राजा को धिक्कार है।
x) जल से शरीर और सत्य से मन शुद्ध होता है।

9. निम्न लिखित वाक्यों को शुद्ध करें। 08

i) नगरात् परितः वृक्षः सन्ति।
ii) स ब्राह्मण गां ददाति।
iii) अहम् विद्यालयं गच्छसि।
iv) छात्रा गृहस्य प्रति गच्छन्ति।
v) अयं स्त्री मूर्खः अस्ति।
vi) नृपः शत्रुषु कुप्यति।
vii) कर्णः अर्जुनस्य तुल्यो वीरो नास्ति।
viii) निर्धनो धनाय अभिलषति।

---

(178)

# B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2007/11

## Kriya Sharir-A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. कफ दोष का स्वरूप, स्थान, गुण, कर्म एवं भेदों को विस्तार से लिखें । 15

2. धातु भेद से पुरूष संख्या, उनके परिचय एवं षड.धातु पुरूष का चिकित्सकीय महत्व का वर्णन करें । 15

3. हृत्कार्य चक्र(Cardiac Cycle) को विस्तार से लिखें । 15

4. अग्नि की परिभाषा, भेद एवं इनको विस्तार से लिखें । 15

5. आहार के सारभूताशों द्वारा रसादि धातुओं की उत्पत्ति का वर्णन करें । 15

6. संक्षेप से लिखें :- 3X5=15

   क) षड.क्रिया काल

   ख) श्वासावरोध

   ग) मल

---

(179)

# B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2007/11

## Kriya Sharir-B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. रक्त स्कंदन प्रक्रिया का विस्तृत वर्णन करें । 15

2. त्वचा की संरचना एंव क्रिया का उभयमतानुसार वर्णन करें । 15

3. टिप्पणी :- 15
   क) स्तन्य
   ख) मृत्युत्तर संकोच[Rigor mortis]
   ग) व्याधिक्षमत्व

4. स्वेद ग्रंथि का वर्णन करते हुए स्वेद एवं त्वग्वसा की उत्पत्ति आदि का विस्तृत विवेचन करें । 15

5. पीयूष ग्रंथि (Pituitary Gland) का वर्णन करते हुए Anterior Pituitary के Harmones का वर्णन करें । 15

6. कर्ण की संरचना का सचित्र वर्णन करते हुए शब्द ज्ञान प्रक्रिया का विवेचन करें । 15

---

(180)

# B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2007/11

## Ashtang Sangrah

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note :Attempt All questions.**

1. दुग्ध, दधि एंव तक्र के गुणों का वर्णन कर, देश एवं काल के भेदें का वर्णन करें। 15

2. अजीर्ण के लक्षण लिखकर, त्रिफला त्रिजात एवं चतुर्जात को बतायें। 15

3. दोषों का पाञ्चभौतिक संगठन एंव स्थान बताकर इनके शमनोपाय बतायें। 15

4. द्विविध उपक्रम किसे कहते हैं? औषध परीक्षा विधि एवं संशोधन काल बतायें । 15

5. कवल एवं गण्डूष की परिभाषा बताकर मर्श एवं प्रतिमर्श तथा नस्य को समझायें। 15

6. सीवन कर्म एवं बन्धन कर्म क्या हैं? इनके भेदो का संक्षिप्त वर्णन करें। 15

---

(181)

# B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2007/11

## Rachna Sharir-A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. शरीर एवं शारीर की व्याख्या करते हुए धातु भेद से पुरूष संगठन का वर्णन करें । 15

2. गर्भ की परिभाषा, सूक्ष्म शरीर का वर्णन करते हुए गर्भ का मासानुमासिक वृद्धिक्रम लिखें । 15

3. टिप्पणी लिखें: - 15
   क) प्रगण्डास्थि (Humerus)
   ख) प्रमाण - शरीर
   ग) मृत शोधन एवं संरक्षण

4. अंस संधि (Shoulder Joint) का सचित्र वर्णन करें । 15

5. सिरा - धमनी एवं स्त्रोत्स की व्याख्या करते हुए प्राचीन अर्वाचीन मत से प्राणवह स्त्रोत्स का वर्णन करें। 15

6. लसिका संस्थान का विस्तृत वर्णन करें। 15

---

(182)

# B.A.M.S.[1st Prof.]

BF/2007/11

## Rachna Sharir-B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. "यकृत" की बाह्याभ्यंतर संरचना का सचित्र वर्णन करें। 15

2. सुश्रुतोक्त कोष्ठांगों का उल्लेख करते हुए "फुफ्फुस" (Lungs) की संरचना का सचित्र वर्णन करें। 15

3. कला शब्द की विस्तृत व्याख्या करते हुए हृदयावरण कला (Pericardium) का सचित्र वर्णन करें। 15

4. आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार 'त्वकेन्द्रिय' का सचित्र वर्णन करें। 15

5. सुषुम्नाकाण्ड (Spinal Cord) एवं उससे संबन्धित नाड़ियों का वर्णन करते हुए कक्षानुगा नाड़ी प्रवेणी (Brachial Plexus) का सचित्र वर्णन करें। 15

6. निम्न पर टिप्पणी लिखिये। 15
   क) वपावहन (Omentum)
   ख) कालान्तर प्राणहरमर्म
   ग) मलधराकला

---

(183)

# B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2007/11

## Swasthvritta - A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. स्वास्थ्य के प्रकार लिखकर व्यक्ति एवं वैद्य का स्वास्थ्य के प्रति कर्त्तव्य लिखें। 15

2. आहारविधि- विशेष आयतनों का नामोल्लेख कर आहारविधि लिखें। 15

3. निद्रानाश के हेतु लिख निंद्रानयनोपाय लिखें। 15

4. औद्योगिक रोगों का वर्णन करते हुए, वर्गीकरण करें। 15

5. गृहनिर्माण के समय किन बातों का स्वास्थ्य की दृष्टि से ख्याल रखना चाहिए। गृह प्रविजन के उपाय लिखें। 15

6. सूर्यप्रकाश का स्वास्थ्य के लिये क्या महत्त्व है? भवन निर्माण के समय सूर्य प्रकाश का नियोजन किस प्रकार हो? 15

.....

(184)

# B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2007/11

## Swasthvritta - B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. योग की उत्पत्ति एवं प्रयोजन को संक्षिप्त में बताते हुए स्वास्थ्य रक्षण में योग के महत्त्व का वर्णन करें। 15

2. बालकों में रोग प्रतिरक्षार्थ टीकाकरण कार्यक्रम का वर्णन करें। 15

3. कुष्ठ एवं गलगण्ड नियन्त्रण कार्यक्रम का उल्लेख करें। 15

4. स्वास्थ्य प्रशासन का विस्तृत वर्णन प्रस्तुत करें। 15

5. मृतिका चिकित्सा की विधि एवं लाभ का उल्लेख करें। 15

6. निम्न पर टिप्पणी करें: - 15
   क) कटि स्नान
   ख) बन्ध
   ग) मीजल्स नियन्त्रण

.....

(185)

# B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2007/11

## Ras Shastra Avam
## Bhassajya Kalpana - A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. यन्त्र से क्या अभिप्राय: है। निम्नलिखित यन्त्रों का परिचय एवं उपयोग लिखें। 15
   - क) डमरूयन्त्र
   - ख) दोलायन्त्र
   - ग) पुटयन्त्र

2. संक्षिप्त वर्णन करें। 5X3=15
   - क) आवाप
   - ख) शोधन
   - ग) वारितर
   - घ) द्रावकगण
   - ड़) पंचमृत्तिका

3. निम्नलिखित का वर्णन करें। 5X3=15
   - क) खल्वयन्त्र
   - ख) वाराहपुट
   - ग) चुल्लिका
   - घ) मूषा का आधुनिक स्वरूप
   - ड़) अमृतीकरण

4. माक्षिक का परिचयात्मक वर्णन कर, शोधन, मारण, मात्रा एवं (चिकित्सा) उपयोग लिखें। 15

5. यशद का परिचय, शोधनविधि, मारणविधि, मात्रा एवं उपयोग लिखें। 15

6. रत्नों की संख्या व नाम लिखकर निम्न की शोधन विधि लिखें। 5X3=15
   - क) गोदन्ती
   - ख) नृसार
   - ग) शंख
   - घ) वत्सनाभ
   - ड़) प्रवाल

---

# B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2007/11

## Ras Shastra Avam
## Bhassajya Kalpana - B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note :Attempt All questions.**

1. भैषज्य कल्पना के क्रमिक विकास का ऐतिहासिक दृष्टिकोण से विवेचन कीजिये। 15

2. शुष्क एवं आर्द्र द्रव्यों के ग्रहण के सिद्धान्त का विस्तृत विवेचन कीजिये। 15

3. टिप्पणी लिखें :- 15
   क) औषधि एवं भैषज्य में अन्तर
   ख) शार्कर कल्पना
   ग) षड्ङ्ग.पानीय

4. ब्राह्मीघृत के घटक द्रव्यों का उल्लेख कर निर्माण विधि मात्रा एवं गुण कर्म का विवेचन कीजिये। 15

5. द्राक्षारिष्ट की निर्माण विधि एवं गुण-कर्मों का वर्णन कीजिये। 15

6. टिप्पणी लिखें:- 15
   क) सितोपलादि चूर्ण
   ख) संजीवनी वटी
   ग) यूषरस

---

(187)

# B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2007/11

## Dravyaguna Vigyan - A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. गुण की निरूक्ति, गुण के भेद, गुर्वादि एवं परादि गुणों को सोदाहरण लिखिए। 15

2. वीर्य संख्या में विभिन्न विचार एवं वीर्य के कर्म उदाहरण सहित लिखिए। 15

3. द्रव्य का कारण-कार्य भेद, रस भेद, एवं योनि भेद से वर्गीकरण लिखिए। 15

4. निम्नांकित कर्मवाचक परिभाषाओं को सोदाहरण विस्तृत विवेचन कीजिए। 15
   क) पाचन
   ख) संशमन
   ग) स्तम्भन

5. प्रशस्त भेषज की परिभाषा, भैषज्य प्रयोग मार्गों का वर्णन एवं अनुपान पर अपने विचार प्रगट कीजिए। 15

6. निम्नांकित में से <u>किन्ही तीन पर</u> टिप्पणी लिखिए :- 15
   क) पंचतिक्त
   ख) भेषजागार
   ग) धन्वन्तरि निघण्टु
   घ) मधुवर्ग
   ड़) उपविष

---

(188)

# B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2007/11

## Dravyaguna Vigyan - B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. निम्नलिखित द्रव्यों में से <u>किन्हीं पाँच द्रव्यों</u> का वानस्पतिक नाम, मुख्य पर्याय एवं विशिष्ट योग लिखिए। 5x3=15
   - i) विदारीकन्द
   - ii) पाषाणभेद
   - iii) मुचुकुन्द
   - iv) कासनी
   - v) पारिभद्र
   - vi) पुत्रजीवक

2. निम्नलिखित द्रव्यों का वानस्पतिक नाम, कुल, औषध मात्रा, विषाक्त प्रभाव एवं उसका निवारण लिखिए। 4x5=20
   - i) गुञ्जा
   - ii) जयपाल
   - iii) हृत्पत्री
   - iv) हरमल

3. निम्नलिखित द्रव्यों का प्राप्तिस्त्रोत एवं मुख्य प्रयोग बताइए। 5x2=10
   - i) अग्निजार
   - ii) कस्तूरी
   - iii) प्रवाल
   - iv) गोरोचन
   - v) मोचरस

4. निम्नलिखित द्रव्यों का वानस्पतिक नाम, दो-2 प्रर्याय लिखकर उनका प्रयोज्य अंग, गुणकर्म, आमयिक प्रयोग एंव विशिष्ट योग लिखें। 4x5=20
   - i) गोक्षुर
   - ii) तेजोह्वा
   - iii) लताकरंज
   - iv) लवंग

5. अधोलिखित द्रव्यों का वानस्पतिक नाम, प्रयोज्य अंग, मात्रा एवं योग लिखें। 5x2=10
   - i) करवीर
   - ii) मुस्तक
   - iii) पुष्करमूल
   - iv) लोध्र
   - v) मंजिष्ठा

6. टिप्पणी करें: - 5X3=15
   - i) जीवाणु प्रतिरोधक औषधियाँ (Antibiotics)
   - ii) भूम्यामलकी
   - iii) हिस्टेमिन तथा एण्टीहिस्टेमिन (Histamin and Antihistamins)

.....

(189)

# B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2007/11

## Rog Vigyan - A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. बीज, बीज की दुष्टि एवं उससे उत्पन्न होने वाली विकृतियों का आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार वर्णन कीजिए? 15

2. विकृति विज्ञान के महत्त्व को प्रतिपादित करते हुए दोषों की शरीर में स्थान संश्रयावस्था को स्पष्ट कीजिए। 15

3. टिप्पणी लिखिए :- 5 + 5 + 5 = 15
   क) दोषों का कोष्ठ से शाखाओं में गमन
   ख) रोग निदानार्थकरत्व
   ग) Hyperplasia एवं Metaplasia

4. उपशय एवं अनुपशय का उदाहरणपूर्वक उल्लेख कीजिए। 15

5. अरिष्ट क्या है? आधुनिक परिप्रेक्ष्य में इसकी प्रासंगिकता का उल्लेख कीजिए? 15

6. टिप्पणी लिखिए :- 5 + 5 + 5 = 15
   क) व्याधि संसर्ग
   ख) सन्निकृष्ट हेतु
   ग) कृमि

---

(190)

# B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2007/11

## Rog Vigyan - B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. ज्वर रोग के निदान, पूर्वरूप, सम्प्राप्ति व भेदों का लक्षण सहित वर्णन कीजिए। 15

2. वीसर्प, वातरक्त रोग के निदान, सम्प्राप्ति व भेद सहित लक्षणों का उल्लेख कीजिए। 15

3. उदर रोग के भेद, संख्या नाम सहित उल्लेख करते हुए रोग की सम्प्राप्ति लिखें। अजीर्ण के भेदों के लक्षण लिखें। 15

4. वातवह स्त्रोतों का नामोल्लेख करते हुए संधिगतवात, पक्षाघात, आवृतवात भेदों के नाम सहित लक्षणों का वर्णन करें।, 15

5. मूर्च्छा व सन्यास रोग की सम्प्राप्ति का वर्णन करते हुए, मदात्यय रोग के लक्षण व होने वाली दोष दूष्य सम्मूर्च्छना का उल्लेख करें। 15

6. निम्न पर टिप्पणी लिखें :- 15
   a) Entamoeba Histolytica
   b) Herpes
   c) डिप्थीरिया

---

(191)

# B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2007/11

## Agad Tantra Viyvhar Avam
## Vidhi Vaidyak - A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. प्राचीन मतानुसार विषों का वर्गीकरण लिखते हुए, स्थावर व जंगम विषों के अधिष्ठानों का नामोल्लेख कीजिए। 15

2. कुचला विष तथा धर्नुवात का सापेक्ष निदान लिखते हुए, कुचला विष के लक्षण व घातक मात्रा एवं चिकित्सा लिखिए। 15

3. टिप्पणी लिखें :-
   क) BAL
   ख) अलर्क विष
   ग) दूषी विष
   5 + 5 + 5 = 15

4. निम्न लिखित विषों का वर्णन करते हुए लक्षण, घातक मात्रा, घातक काल व चिकित्सा पर प्रकाश डालिए। 5 + 5 + 5 = 15
   क) जयपाल
   ख) धत्तूर
   ग) वत्सनाभ

5. प्राणाचार्य (चिकित्सक) के कर्त्तव्य लिखते हुए, विषदाता की पहचान, एवं विषाम्तता के सामान्य व विशिष्ठ लक्षणों का वर्णन कीजिए। 15

6. टिप्पणी लिखें :- 5 + 5 + 5 = 15
   क) विष संकट
   ख) विष एवं ओज
   ग) आहार विष की सामान्य चिकित्सा

---

(192)

# B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2007/11

## Agad Tantra Viyvhar Avam
## Vidhi Vaidyak - B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. व्यक्ति की पहचान किन-किन तरीकों से की जाती है व सचित्र स्त्री व पुरूष की खोपड़ी में विभेदक लक्षण लिखें। 15

2. मृत्योत्तर शव परीक्षण बाह्य एवं आभयन्तर लिखते हुए, Presevation of viscera के विषय में लिखें। 15

3. शिशु हत्या की परिभाषा लिखते हुए मृत एवं जीवित उत्पन्न हुए शिशु के विभेदक लक्षण लिखें। 15

4. AIDS की Social, Medical & Legal problems को विस्तार पूर्वक लिखें। 15

5. कोमार्य स्त्री के लक्षण लिखते हुए इसकी Medico-Legal Importance लिखें। 15

6. संक्षेप नोट लिखें :- 15
   a) Delusion
   b) Bestiality
   c) Hydrostatic Test

---

193

# B.A.M.S.[2nd Prof.]

BF/2007/11

## Charak Samhita (Poorvardha)

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. "..... प्रवृत्तिरुभयस्य तु" इस श्लोकांश की व्याख्या करते हुए सिद्ध करें कि स्थविरावस्था में गृहीत दुग्ध धातुओं के लिए सामान्य होते हुए भी वृद्धि क्यों नहीं करता है? 15

2. सर्वेन्द्रिय व्यापकत्व इन्द्रिय की व्याख्या करते हुए "चेष्टा प्रत्यय भूतमिन्द्रियाणाम्" इस युक्ति को ससन्दर्भ स्पष्ट करें। 15

3. रोगोत्पत्तिकर भावों का विशद विवेचन प्रस्तुत करते हुए प्रमेह निदानों की सोपपत्तिक व्याख्या करें। 15

4. जनपदोध्वंश के हेतुओं का आज के परिप्रेक्ष्य में विवेचन प्रस्तुत करें। 15

5. सांख्य मत का प्रतिपादन करते हुए चरक के उक्त दर्शन से मत विभेद को स्पष्ट करें। 15

6. 'पन्नरुपीयम्' से क्या तात्पर्य है? छाया एवं प्रभा की सविस्तार व्याख्या करें। 15

---

(194)

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Kayachikitsa- A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. चिकित्स्यपुरूष का निरूपण करते हुए उपशय अनुपशय को सोदाहरण समझाईये। 15

2. व्याधि विकारों का वर्णन करते हुए इसके भेदों को विस्तार से लिखिये। 15

3. आगन्तुज एवं निज रोगों की परिभाषा लिखते हुए इनके परस्पर संबन्धों का सोदाहरण वर्णन करें। 15

4. यूनानी एवं सिद्ध चिकित्सा पद्धतियों का परिचय देते हुए इसके चिकित्सा सिद्धान्तों को लिखिये। 15

5. चिकित्सातुष्पादपरक का वर्णन करते हुए इसके गुणों का सोदाहरण वर्णन करें। 15

6. टिप्पणी लिखें :- 15
   क) सामान्यज व्याधियाँ
   ख) सिद्ध चिकित्सा पद्धतियाँ
   ग) ओजोव्यापद्

(195)

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Kayachikitsa- B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note :Attempt All questions.**

1. विषम ज्वर के कारण, लक्षण, प्रकार उपद्रव एंव चिकित्सा लिखें। 15

2. आक्षेपक ज्वरों का निदान, सम्प्राप्ति, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन विस्तार से करें। 15

3. श्लीपद, रोमान्तिका तथा ज्वर के पयार्यों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 15

4. मूत्रवहस्रोतोगत व्याधियों का नैदानिक वर्णन करते हुए, मूत्राघात की चिकित्सा विस्तार से लिखें। 15

5. अम्लपित्त रोग के कारण, लक्षण, चिकित्सा सूत्र व चिकित्सा लिखें। 15

6. हलीमक, मदात्यय तथा शोष पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें। 15

---

(196)

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Kayachikitsa- C

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. वात व्याधि के निदान, लक्षण एवं सम्प्राप्ति लिखते हुए पक्षवध के कारण, भेद, लक्षण एवं चिकित्सा विस्तार से लिखें। 15

2. शीतता जन्य विकारों का संक्षिप्त परिचय देते हुए अग्न्याशय (Pancreas) के अन्तः स्त्रावों का नाम एवं उनके कार्य लिखते हुए वातरक्त के कारण, लक्षण,भेद सम्प्राप्ति एवं चिकित्सा का वर्णन करें। 15

3. टिप्पणी लिखें :- 15
   क) आवरण जन्य वात व्याधि
   ख) यात्रा जनित विकार (Travel Sickness) एवं उसका प्रतिकार
   ग) इन्दुलुप्त (Alopecia) - कारण एवं निवारण

4. "मानस रोगों" एवं "शारीरिक रोगों" में अन्तर स्पष्ट करते हुए उन्माद (Insanity) की परिभाषा, कारण, भेद सम्प्राप्ति, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन करें। 15

5. आत्यायिक चिकित्सा की परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार लिखते हुए तीव्र उदर शूल (Acute Abdominal Pain) के कारण, लक्षण, सम्प्राप्ति एवं आत्यायिक चिकित्सा का वर्णन करें। 15

6. टिप्पणी लिखें :- 15
   क) अतत्वाभिनिवेश
   ख) मूर्च्छा (Syncope)
   ग) अनिन्द्रा

---

(197)

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Kayachikitsa- D

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. "तान्युपस्थित दोषाणां स्नेहस्वेदोपदादनैः ।
पञ्चकर्माणी कुर्वीत माजा कालौ विचारयन्" ।।
उक्त श्लोक की व्याख्या करते हुए बस्तिकर्म की विधि विस्तारपूर्वक लिखिए। 15

2. वमन, विरेचन कर्मों के अयोग, अतियोग, सम्यकयोग का ज्ञान कैसे होता है। इनके विकारो की क्या चिकित्सा है? वमन, विरेचन कर्मों के अवर, मध्यम, प्रवर वेगों का किस प्रकार परीक्षण किया जाता है? 15

3. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिये :- 15
   क) वस्ति व्यापद्
   ख) नस्यकर्म
   ग) स्नेह प्रविचारणा
   घ) संसर्जन क्रम

4. मेध्यरसायन क्या है? काम्यमाजस्त्रिक नैमिचिक रसायन प्रयोग हेतु क्या प्रयुक्त होता है, रसायन प्रयोग विधि का वर्णन कीजिये। 15

5. वाजीकरणयोगों के प्रयोग का प्रयोजन एवं प्रतिफल क्या होता है। वाजीकरण के योग्य पुरूष तथा वाजीकरणार्थ औषधी सेवन के बाद सेवन योग्य पदार्थों का वर्णन कीजिए। 15

6. किन्हीं तीन पर टिप्पणी कीजिए । 15
   क) कुटिप्रावेशिक
   ग) प्रशस्त शुक्र के लक्षण
   घ) भल्लातक रसायन
   ग) युक्तरथवस्ति

---

(198)

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Prasoot Tantra Avm
## Stri Rog- A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. गर्भ की व्याख्या, गर्भसम्भव सामग्री एवं षड्धात्वात्मक पुरूष का विस्तार से वर्णन करें। 15

2. गर्भ के अवयवों की उत्पत्ति एवं गर्भ पोषण के बारे में लिखें। 15

3. दौह्रद (गर्भिणी) की अवमानना, उसके परिणाम स्वरूप उत्पन्न उपद्रव लिखते हुए, गर्भिणी मक्कल के बारे मे लिखें। 15

4. उपस्थित प्रसवा के लक्षण बताते हुए जातमात्र परिचर्या व अपरासंग की चिकित्सा लिखिये। 15

5. परिवार नियोजन का महत्व एवं इसकी आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए इसके साधनों के बारे में लिखें। 15

6. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें। 15
   क) गर्भशंकु निर्हरण
   ख) यान्त्रिक शल्यकर्म (प्रसव में)
   ग) सूतिका ज्वर

---

(199)

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Prasoot Tantra Avm
## Stri Rog- B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note :Attempt All questions.**

1. आतर्व उत्पत्ति स्थान, प्रमाण, कार्य एवं स्वरूप का वर्णन करें। 15

2. रजक्षय तथा रजोदुष्टि के कारण लक्षण एवं चिकित्सा का आयुर्वेद तथा आधुनिक मतानुसार वर्णन करें। 15

3. स्तन शोथ का विस्तार से वर्णन कर गर्भपात के प्रकार, लक्षण एवं चिकित्सा बतायें। 15

4. फिरंग रोग की परिभाषा, कारण तथा लक्षण बताकर चिकित्सा का वर्णन करें। 15

5. टिप्पणीयाँ लिखें :- 15
   क) माता शिशु कल्याण उपाय
   ख) एड्स
   ग) अर्श निर्हरण

6. गर्भाशय निर्हरण के बारे में बताकर गर्भ निरोधक उपाय एवं औषधियों का आयुर्वेद तथा आधुनिक मतातुसार वर्णन करें। 15

(200)

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Charak Samhita
## [Uttrardha]

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. रसायन औषध की परिभाषा, महत्व, कुटीप्रावेशिक रसायन सेवन विधि, वातआतपिक विधि से क्यों श्रेष्ठ है, बताते हुए, रसायन सेवन योग्य मनुष्य कौन हैं। विस्तार से वर्णित करें।, 15

2. कासरोग का पूर्वरूप, भेद, क्षतज कास तथा राजयक्ष्मा में अन्तर बताते हुए विभिन्न कासों के चिकित्सा सिद्धान्त लिखें। 15

3. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखें 15
   क) द्रोणी प्रावेशिक रसायन
   ख) पंचकर्म चिकित्सा द्वारा साध्य न होने वाली एक व्याधि
   ग) खालित्य व्याधि निदान

4. वमन द्रव्यों के ऊपरी भाग से निकलने तथा विरेचन द्रव्यों के अधोभाग से निकलने का कारण और प्रक्रिया विस्तार से वर्णित करें। 15

5. चिकित्सा के अयोग्यायोग्य रोगी कौन हैं? 15

6. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखें - 15
   क) चिकित्सा में मात्रा का महत्व
   ख) स्थिरादि निरूहवस्ति
   ग) मूत्रजठर
   घ) चरक-संहिता के अध्ययन से लाभ
   ड.) सदाऽऽतुरा: (सदा रोगी कौन)

---

(201)

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Kaumarbhritya

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. नवजात शिशु परिचर्या का वर्णन कीजिये। 15

2. बालौषध मात्रा निर्धारण एवं बालकों के सामान्य चिकित्सा सिद्धान्त का वर्णन कीजिये। 15

3. अन्नप्राशन संस्कार, उपवेशन कर्म एवं दन्तसम्पत का वर्णन कीजिये। 15

4. निदान लिखिये - 15
   क) छर्दि
   ख) बालगृह
   ग) स्थौल्य

5. चिकित्सा लिखिये - 15
   क) मृदभक्षणजन्य पाण्डु
   ख) नाभिजन्य रोग

6. टिप्पणी लिखिये - 15
   क) कुमार कल्याण रस
   ख) संवर्धनघृत

---

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Shalya Tantra - A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. शल्य तन्त्र की परिभाषा बताते हुए शल्य शब्द की व्युत्पत्ति लिखिए एवं शल्य तंत्र के ह्रास के कारण व उत्कर्ष के उपाय बतलाऐं। 15

2. विद्रधि की निरूक्ति, व्याख्या, भेद व लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन करें। 15

3. नाड़ी व्रण किसे कहते हैं? इसके प्रकार एवं लक्षण लिखकर चिकित्सा लिखें। 15

4. रक्तावसेचन साध्य व्याधियों का उल्लेख करते हुए रक्तमोक्षण की परम सुकुमार विधि का विस्तृत वर्णन करें। 15

5. सद्योव्रण के प्रकार बताते हुए लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन करें। 15

6. टिप्पणी लिखें (कोई तीन) : - 15
   क) योग्या
   ख) प्रनष्ट शल्य
   ग) व्रण वस्तु
   घ) C.T. Scan और शल्य तंत्र में इसकी उपयोगिता

---

(703)

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Shalya Tantra - B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. गलगण्ड रोग के हेतु, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए। 15

2. सन्धिमोक्ष के हेतु, भेद एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए। 15

3. भगन्दर की परिभाषा, भेद, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन करें। 15

4. पौरूष ग्रन्थि वृद्धि का हेतु, लक्षण एवं चिकित्सा का वर्णन कीजिए। 15

5. वृषण एवं वृषण कोष में होने वाली व्याधियों का नाम लिखते हुए मूत्रवृद्धि का वर्णन कीजिए। 15

6. टिप्पणी कीजिए :- 15
   क) कोथ
   ख) श्लीपद
   ग) स्तन विद्रधि

---

(204)

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Shalakya Tantra - A

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. आयुर्वेदमतानुसार नेत्र शारीर का वर्णन कर, नेत्र तेजोजल (Aqueous humour) की उत्पत्ति, संवहन का वर्णन कर iridocorneal angle का सचित्र वर्णन करें। 15

2. पूयालस रोग के कारण, लक्षण चिकित्सा का उभयमतानुसार वर्णन करें एवं साध्यासाध्यता लिखें। 15

3. नेत्र रोगों के सामान्य निदान लिखकर अभिष्यन्द रोग के भेद, लक्षण चिकित्सा साध्यसाध्यता एवं प्रधानत्व लिखें। 15

4. पर्वणी एवं अलजी के लक्षण विभेद (Differential diagnosis) एवं चिकित्सा लिखकर Phlyctenular Conjunctivities के लक्षण, कारण व चिकित्सा लिखें। 15

5. पक्ष्मकोप के कारण, लक्षण, चिकित्सा तथा सुश्रुतोक्त शस्त्र चिकित्सा लिखें तथा Entropian के कारण व लक्षण लिखें। 15

6. नोट लिखें :- 3X5=15
   - क) कफज लिङ्गनाश की चिकित्सा
   - ख) Night Blindness
   - ग) तिमिर रोग के भेद व लक्षण

---

# B.A.M.S.[Final Prof.]

BF/2007/11

## Shalakya Tantra - B

**M.M. : 90** **Time : 3 Hours**

**Note : Attempt All questions.**

1. शिरोभिघात की अवस्थानुसार लक्षण लिखते हुये सामान्य चिकित्सा बतायें। 15

2. बाधिर्य की परीक्षा भेद एवं चिकित्सा उभयमतानुसार लिखिये। 15

3. प्रतिश्याय के कारणों का उल्लेख करते हुए चिकित्सा व्यावस्था कीजिए। 15

4. दंतशर्करा एवं कपालिका में भेद बताते हुए, लक्षण एवं चिकित्सा लिखिये। 15

5. कृमिदंत का कारण, लक्षण एवं चिकित्सा आयुर्वेद एवं आधुनिक मतानुसार लिखिये। 15

6. निम्न पर टिप्पणी लिखिए :- 15
   क) तुण्डकेरी
   ख) गण्डूष
   ग) अवटुका ग्रंथि के रोग

---